अभियान के बारे में

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु हथियार उन्मूलन अभियान (ICAN) गैर-सरकारी संगठनों का एक वैश्विक गठबंधन है जिसका एक सरल मिशन है: दुनिया के हर देश को ऐतिहासिक परमाणु हथियार निषेध संधि में शामिल होने और पूरी तरह से लागू करने के लिए राजी करना।

सन् 2007 में मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में स्थापित, यह अभियान एक दशक पहले मानवीय आधार पर व्यक्ति-विरोधी खदानों को गैरकानूनी घोषित करने के सफल आंदोलन से प्रेरित था। आज, ICAN का मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।

अपने गठन के समय से ही, ICAN ने परमाणु हथियारों के खिलाफ जनता में एक शक्तिशाली विरोध की लहर खड़ी करने पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें हिरोशिमा और नागासाकी के परमाणु बम पीड़ितों और परमाणु परीक्षणों से प्रभावित लोगों की आवाज़ों को बुलंद करना शामिल है।

रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति, संयुक्त राष्ट्र सचिवालय और समान विचारधारा वाली सरकारों के साथ मिलकर, ICAN ने जागरूकता बढ़ाने वाले कार्यक्रम आयोजित किए हैं, अग्रणी शोध प्रकाशित किए हैं, वैश्विक कार्रवाई दिवस आयोजित किए हैं और वरिष्ठ निर्णयकर्ताओं के सामने उन्मूलन के पक्ष को रखा है।

नोबेल शांति पुरस्कार

सन् 2017 में, ICAN को "किसी भी परमाणु हथियार के उपयोग के विनाशकारी मानवीय परिणामों की ओर ध्यान आकर्षित करने के कार्य और ऐसे हथियारों के संधि-आधारित निषेध को प्राप्त करने के अपने अभूतपूर्व प्रयासों के लिए" नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

यह पुरस्कार दुनिया भर के उन अनगिनत प्रचारकों और नागरिकों के अथक प्रयासों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने परमाणु युग की शुरुआत से ही परमाणु हथियारों का कड़ा विरोध कर रहे हैं और उनकी स्थायी रूप से उन्मूलन की मांग कर रहे हैं।

यह कोई दूरव्यापी सपना नहीं, बल्कि एक तात्कालिक आवश्यकता है। आने वाली पीढ़ियाँ इस भयानक अभिशाप से मुक्त होकर ही पलें-बढ़ें।

> **"यह हमारा दृढ़ विश्वास है कि ICAN ने पिछले वर्ष में, किसी भी अन्य अभियान की तुलना में, परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया प्राप्त करने के प्रयासों को एक नई दिशा और नया जोश दिया है।"**
>
> **– नॉर्वेजियन नोबेल समिति, 2017**

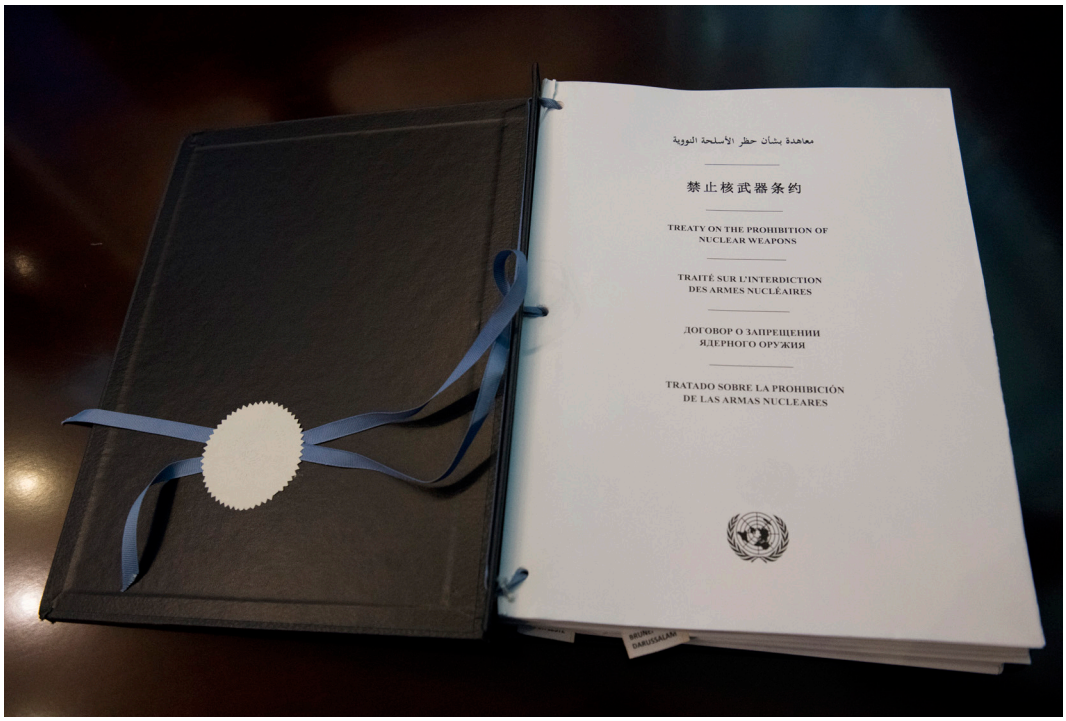

TPNW की मूल प्रति। साभार। साभार: ICAN

सेत्सुको थर्लो

एक 13 वर्षीय लड़की, सेत्सुको थर्लो हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम के विस्फोट से बेहोश हो गई थी। वह एक ढह चुकी इमारत के मलबे में फंस गई थी, लेकिन अंततः रेंग कर बाहर निकलने में सफल रही।

“उस इमारत में मेरे अधिकांश सहपाठी ज़िंदा जल गए,” उसने याद किया। “मैंने अपने चारों ओर घोर, अकल्पनीय तबाही देखी... जले हुए मानव मांस की दुर्गंध हवा में फैली हुई थी।”

परमाणु युद्ध की भयावहता की एक जीवित गवाह, सेत्सुको ने सन् 2017 में ICAN को प्रदान किए गए नोबेल शांति पुरस्कार को संयुक्त रूप से स्वीकार किया। “हर दिन का हर सेकंड, परमाणु हथियार हमारे प्रियजनों और हमारे लिए महत्वपूर्ण हर चीज़ को खतरे में डाल देते हैं,” उन्होंने चेतावनी दी।

“हमें अब इस पागलपन को बर्दाश्त नहीं करना चाहिए।”

उसने विश्व के नेताओं से हाल ही में अपनाई गई परमाणु हथियार निषेध संधि पर हस्ताक्षर करने का आग्रह किया। “ आइए इसे परमाणु हथियारों के अंत की शुरुआत मानें,” उन्होंने कहा। “इस संधि में शामिल हों; परमाणु विनाश के खतरे को हमेशा के लिए मिटा दें।”

सन् 2017 में नॉर्वे में नोबेल शांति पुरस्कार समारोह में सेत्सुको थर्लो। साभार: जो स्ट्रॉब

“हमें परमाणु हथियारों को गैरकानूनी घोषित करने और समाप्त करने के लिए एक दृढ़ विश्वव्यापी आंदोलन की आवश्यकता है। इस पीढ़ी में वहां तक पहुंचने के लिए, हमें जनमत की लहर को एक शक्तिशाली चरमोत्कर्ष में बदलना होगा: एक विशाल, उफनती, अजेय शक्ति जो हमें पूर्णत: शून्य परमाणु हथियारों तक ले जाए। इसके बिना, सबसे प्रेरणादायक नेता भी रास्ते में लड़खड़ा जाएंगे।”

– बिल विलियम्स, ICAN के सह-संस्थापक, 2006

जिनेवा में एक ICAN कार्रवाई। साभार: ऑडे कैटीमेल